

आईसीएआर-एनआईएनएफईटी, कोलकाता में एनएफएसएम प्रायोजित राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण

9 अगस्त, 2024, कोलकाता

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम), वाणिज्यिक फसलें, कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "जूट/मेस्टा/रेमी/सनहेम्प के उत्पादन एवं रीटिंग प्रौद्योगिकी सहित अन्य संबंधित पहलू" पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह आज यहां आयोजित किया गया।

निदेशक डॉ. डी.बी. शाक्यवार ने इस प्रशिक्षण के सफल समापन के लिए प्रतिभागियों को बधाई दी है। उन्होंने जूट की सफाई और अन्य पहलुओं पर उन्नत तकनीकों के बेहतर प्रसार के लिए जूट उत्पादक राज्यों के साथ और अधिक सहयोग करने का आग्रह किया है।

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रभाग के प्रमुख डॉ. एल. के. नायक ने बढ़ती बाजार मांग और पर्यावरणीय स्थिरता के संबंध में जूट विविध उत्पादों पर कौशल विकास प्रशिक्षण की संभावनाओं के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम का समन्वयन कार्यक्रम के वैज्ञानिक एवं सह-पाठ्यक्रम निदेशक इंजीनियर एच. बाइटे ने किया। इस प्रशिक्षण में विभिन्न जूट उत्पादक राज्यों अर्थात् उत्तर प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के बारह (12) अधिकारियों ने भाग लिया।

(सूत्र: आईसीएआर- राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता)

NFSM Sponsored National Level Training at ICAR-NINFET, Kolkata

9th August, 2024, Kolkata

The valedictory function of the 03-days national level training programme on “Production and retting technology of Jute/ Mesta/ Ramie/ Sunnhemp including other Related Aspects” sponsored by National Food Security Mission (NFSM), Commercial Crops, Department of Agriculture, Co-operation & Farmers Welfare, Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Govt. of India was held here today.

Dr. D. B. Shakyawar, Director has congratulated the participants for the successful completion of this training. He has urged for more cooperation with jute growing states for better dissemination of advanced technologies on jute retting and other aspects.

Dr. L. K. Nayak, Head, Transfer of Technology Division briefed about the scope of skill development trainings on jute diversified products with regard to the growing market demand and environmental sustainability.

The programme was coordinated by Er. H. Baite, Scientist & Co-Course Director of the programme.

Twelve (12) officials from different jute growing states viz. Uttar Pradesh, Odisha and West Bengal have participated in this training.

(Source: ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata)

कार्यक्रम की झलकियां/ Glimpses of the Programme



तकनीकी मैनुअल का विमोचन/ Release of Technical Manual



डॉ. डीबी शाक्यवार ने प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किए/ Dr. DB Shakyawar distributed the Certificates to the trainees

